विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 18 अंक 68
पृष्ठ 16+4+4=24
नई दिल्ली, रविवार,
23 सितंबर, 2007
राजधानी
मूल्य 3.00 रुपये

एक नजर

भोजपुर में बन रहा है अनोखा मंदिर

भोपाल से तीस किलोमीटर दूर बनने वाला निखिलधाम मंदिर वास्तुकला और पर्यटन के हिसाब से भी अद्वितीय होगा

गुजरात और दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के बाद अब भोपाल के निकट करीब तीस किलोमीटर की दूरी पर भोजपुर के निकट पांच एकड़ में बन रहा निखिलधाम मंदिर अब एक और अनोखा मंदिर होगा जो न केवल पर्यटन की दृष्टि से, बल्कि दर्शन और अध्यात्म की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। हाल ही में महाविद्या साधक परिवार के परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद जी के द्वारा मंदिर की नींव रखी गई। कहा जा रहा कि यह मंदिर वास्तुकला और पर्यटन के हिसाब से भी अद्वितीय होगा और यहां आने वाले हर व्यक्ति की इच्छा ही नहीं पूरी होगी, बल्कि ऊंचे तनाव, क्रोध, लोभ, मोह और पाप से भी मुक्ति मिलेगी। गौरतलब है कि साधक परिवार की स्थापना एक दशक पूर्व गुरुदेव श्री सुदर्शन जी महाराज और गुरु माता साधना सिंह जी ने की थी। साधक परिवार महाविद्या के तीन विद्याओं से मिलकर बना है, जो परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद जी महाराज के सिद्धांतों और शिक्षाओं पर आधारित है। यह भी माना जा रहा है इस मंदिर में केवल रुद्राक्ष और श्री यंत्र की सहायता से ही योग साधना का अभ्यास करवाया जाएगा और यह दुनिया का पहला ऐसा मंदिर होगा जहां दस महाविद्याओं के शिव, सदाशिव, भैरव, शनि, गणपति और हनुमान के सभी रूप एक साथ स्थापित किए जाएंगे ताकि लोगों को एक ही जगह सारी विद्याओं के दर्शन हो सकें।

रामकिशोर पारचा